SATYARTHI

KAILASH SATYARTHI CHILDREN'S FOUNDATION

सपनों की उड़ान

बाल विवाह विशेषांक

आओ,
बच्चों आज मैं आपको
एक कहानी सुनाती हूँ...
राधा और उसके
परिवार की।

राधा को उसके बाबा प्यार से लाडो बुलाते हैं।
राधा अपने परिवार के साथ जागरपुर नाम के गाँव में रहती हैं। और 8वीं कक्षा में पढ़ती हैं।

राधा की ज़िन्दगी खुशियों और उम्मीदों के रंगो से भरी है।
और वह वैज्ञानिक बन कर अंतरिक्ष के रहस्यों को जानना चाहती है।

राधा के गाँव में हर साल एक बहुत बड़ा मेला लगता है
और मेले के दौरान कोई ऐसा दिन नहीं गुज़रता जब राधा अपने बाबा की साइकिल पर इतराती हुई मेला देखने न जाए।

इस बार
बाबा ने राधा को मेले
में एक सुनहरी पवन
चकरी दिलवाई
और
राधा ने उसका
नाम रखा
"सुनहरी"

राधा खुशी से झूम उठी और बोली
बाबा बाबा ! देखो मेरी सुनहरी के रंग से आसमान भी सुनहरा हो गया।।।
ये आसमान तेरी सुनहरी से नहीं मेरी प्यारी लाडो की वजह से सुनहरा है।

माँ,
देखो...देखो... बाबा ने
ये दिलवाई मेले में।
हा हा हा
राधा बस कर...
अब तू उड़ना बंद कर
और जल्दी से
सो जा।

माँ:- लाडो उठ कब तक सोएगी आज स्कूल के लिए देर नहीं हो रही क्या तुझे?
राधा:- अरे देर हो गई
रुक- रुक मैं तेरी चोटी गूँथ देती हूं।
जल्दी कर माँ, मुझे देर से स्कूल नहीं पहुँचना।
अरे जाते-जाते एक लड्डू तो लेती जा।
SCIENCE AND TECHNOLOGY
लड्डू...

लड्डू वाह वाह।।
मां
ये तो बहुत ही
मज़ेदार बनाए
हैं।
मेरे लिए ढेर
सारे रखना।
मैं आकर खाऊंगी।
राधा,
राधा
मां:
लो अब चुन्नी
भी आ गई।
मेरी प्यारी मां।

अन्तरिक्ष मे
जाने वाली
पहली महिला
कौन थी।
मैंडम मैंडम
कल्पना चावला।
सही जवाब राधा।
इधर आओ तुम। बताओ,
बड़े होकर क्या
बनना चाहती हो ?
कल्पना चावला
की तरह उड़ना।
चाँद, सितारे और
अंतरिक्ष देखना।

टन टन
टन

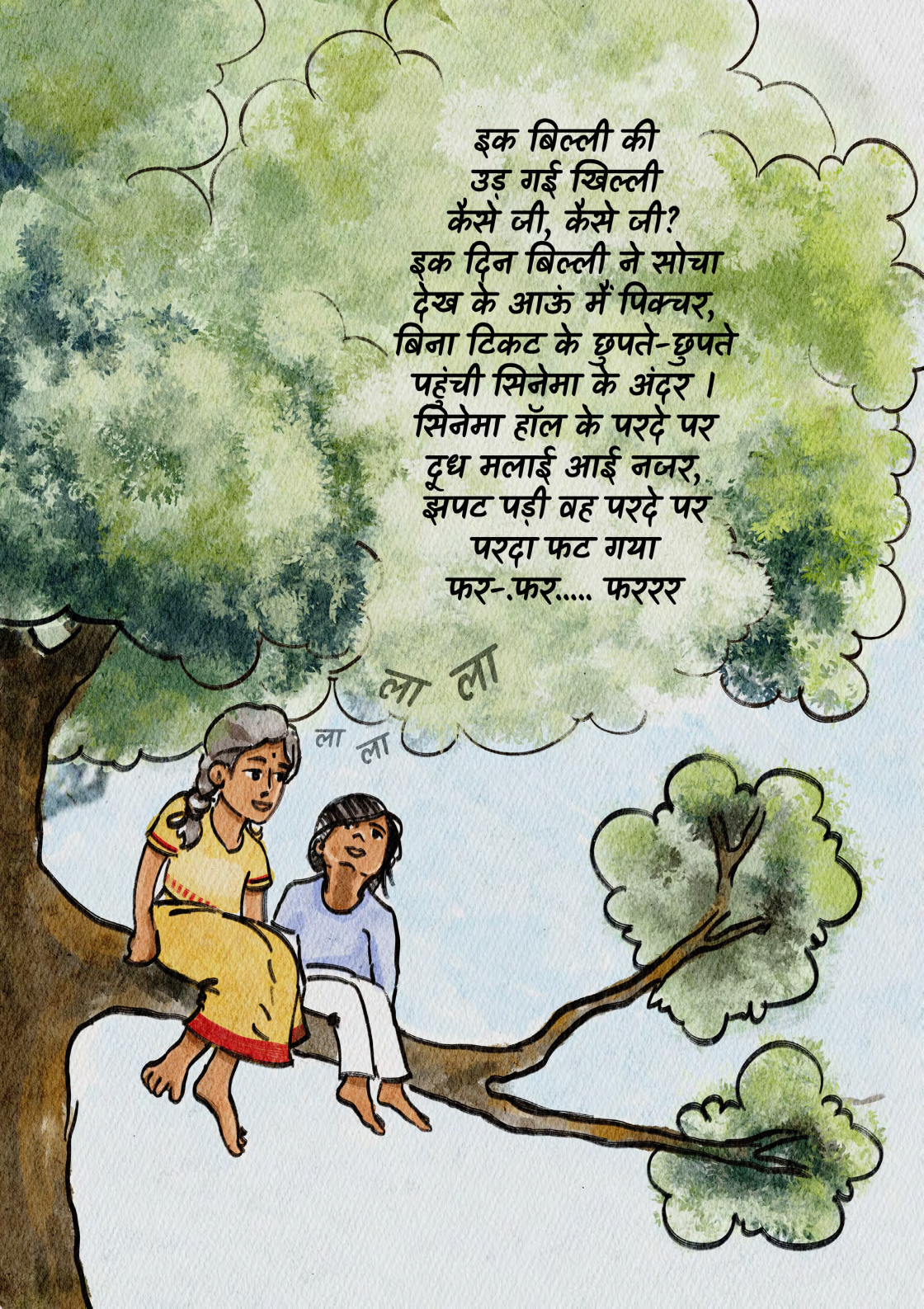
इक बिल्ली की
उड़ गई खिल्ली
कैसे जी, कैसे जी?
इक दिन बिल्ली ने सोचा
देख के आऊं मैं पिक्चर,
बिना टिकट के छुपते-छुपते
पहुंची सिनेमा के अंदर ।
सिनेमा हॉल के परदे पर
दूध मलाई आई नजर,
झपट पड़ी वह परदे पर
परदा फट गया
फर-.फर..... फररर
ला ला
ला ला

कल तो दौड़ प्रतियोगिता है। राधा, तू तो ज़रूर भाग लेगी ना ?
हाँ।
माली गुस्से से....
आम खा रही हो...
अरे, तुम नीचे उतरो, फिर बताता हूँ, शैतान लड़कियों।

राधा
राधा
राधा
राधा
राधा

लो मैं उड़ चली.....
दौड़ की पहली विजेता है
राधा

ख़्वाहिशें ये ख़्वाहिशें...
छोटी सी , इन खिड़कियों से
आती ये ख़्वाहिशें...
ये ख़्वाहिशें
सपनों के रंगों से रंगीन
ये ख़्वाहिशें ,
आसमान को छूने की
ये ख़्वाहिशें ,
सितारों से खेलूं ये ख़्वाहिशें ,
चांद पर कदम रखूं
ये ख़्वाहिशें।।।।

ख़्वाहिशें और महत्वाकांक्षाओं से भरी है राधा की ज़िन्दगी।
पर सुनहरे आसमान में भी काले बादल का पहरा रहता है।।
आज सुबह से पहले राधा की ज़िन्दगी खुशियों के रंगो से भरपूर थी... जब तक की पास के गांव से राजेश चाचा उसके घर नहीं आए थे।

अरे राधा
उठो उठो।।
चल जल्दी झटपट
तैयार हो जा।
और वो लाल वाला
जोड़ा पहन ले।
अरे मां।
ये क्यों पहना
रही हो आज ?
स्कूल के
कपडे?
आज स्कूल नहीं जाना?
जल्दी से अच्छे से तैयार
होकर बाहर आ।
कोई मिलने आया है।

राधा बिटिया।
आओ आओ। पहचाना मुझे ?
मैं राजेश चाचा।
इधर आकर बैठो
मेरे साथ।
आप ये लड्डू लीजिए।
हमारी राधा भी बहुत
अच्छा लड्डू बनाती है।
आपके आने का पता होता ,
तो राधा से बनवाती मैं।
भाईसाहब राधा बिटिया
जितना अच्छा लड्डू बनाती है,
उतनी ही अच्छी
चित्रकारी भी करती है।

भाभी जी घर तो आपने बहुत सुन्दर सजाया हुआ है।
आजकल कटाई का समय है। राधा के बाबा और मैं खेत में ही लगे होते हैं। घर की सफाई और देखभाल का काम तो राधा बिटिया ही करती है।
और साथ ही साथ पढ़ाई में भी अव्वल आती है।

वाह-वाह
इतने सारे पुरस्कार
किसने जीते हैं ?

ये सब तो लाडो बिटिया के हैं। सारी प्रतियोगिताओं में भाग लेती हैं हमारी लाडो...
वाह।। राधा बिटिया अब तो काफी बड़ी भी हो गई हैं।
तो बताओ मैं फिर रिश्ता पक्का समझूँ ?

शादी की बात सुन...राधा घबराते हुए अंदर की ओर भागी।

बाल विवाह अभिशाप हैं।
बाल विवाह बच्चों से उनका बचपन छीन लेता है...
अच्छे स्वास्थ्य, पोषण और शिक्षा के अधिकार से वंचित करता है
सभी बच्चे एक साथ बोलो... बाल विवाह एक अभिशाप हैं, इसे खत्म करना ही सुखद भविष्य की शुरुआत हैं।
बाल विवाह एक अभिशाप हैं।
बाल विवाह एक अभिशाप हैं।

राधा चौंक के उठ जाती है और सपना टूट जाता है।
नहीं
बाल विवाह एक अभिशाप है, बाबा...
अरे लाडो क्या हुआ ?
बाबा, बाल विवाह अभिशाप है । मुझे शादी नहीं करनी।

अरे लाडो क्या हुआ ?
बाबा, मुझे कहीं नहीं जाना। मुझे शादी नहीं करनी।
मेरी दोस्त कमली ने भी शादी की और पढ़ाई छोड़ दी।
अब वह बीमार भी रहती है। मुझे नहीं करनी।
अरे मेरी प्यारी लाडो बिटिया। तुम कहीं नहीं जा रही।
लेकिन बाबा राजेश चाचा?
तेरे बाबा ने उनको मना कर दिया और बताया की बाल विवाह अभिशाप हैं।

तू
पढ़ना चाहती है।
और वैज्ञानिक
बनना चाहती है
अभी तो
मेरी लाडो को और भी
प्रतियोगिता जितनी है
और आसमान में उड़ना है
सुनहरी की तरह।
राधा राधा
लो अब चुन्नी भी
आ गई अब देर
नहीं हो रही...
स्कूल के लिए
हाँ
मेरी प्यारी
मां।

देखा बच्चो,
हम सबको बुराई और
पुराने रीति- रिवाज़ों के
खिलाफ आवाज उठानी
चाहिए। जैसे राधा ने अपने
बाबा और अन्य घर
वालों के सामने शादी करने
से इंकार कर दिया।

हर नन्हे परिंदे को
सुनहरे पंख
देना माता-पिता का कर्तव्य है।
जैसे राधा के परिवार ने एकजुट
होकर राधा के बाल विवाह
के प्रस्ताव को ठुकरा कर
एक ज़िम्मेदार परिवार
का परिचय दिया है।

बाल विवाह मुक्त भारत
CHILD MARRIAGE FREE INDIA

सुरक्षित बचपन, सुरक्षित भारत | SAFE CHILDHOOD, SAFE INDIA

'बाल विवाह हमारी बेटियों का तन-मन ही नहीं बल्कि उनकी आत्मा को भी रौंद देता है'

- कैलाश सत्यार्थी

"You may ask: what can one person do? Let me tell you a story I remember from my childhood: A terrible fire had broken out in the forest. All the animals were running away, including lion, the king of the forest. Suddenly the lion saw a tiny bird rushing towards the fire. He asked the bird, "What are you doing?" To the lion's surprise, the bird replied, "I am on my way to extinguish the fire." He laughed and said, "How can you kill the fire with just one drop of water, in your beak?" The bird was adamant, and said, "I am doing my bit."

Kailash Satyarthi
Nobel Peace Prize acceptance speech
Oslo, 2014

SATYARTHI

KAILASH SATYARTHI CHILDREN'S FOUNDATION

Head Office:
L-64, Basement, Kalkaji,
New Delhi 110019
T. +91 11 47511111

@KSCF India
/KSCFIndia
info@satyarthi.org
www.satyarthi.org.in

Contribute Now

#DoYourBit

Child Helpline
1800 102 7222

रचनात्मक सहयोग
रूकशाद, अजीत राबत, सहाना प्रियदर्शिनी